Bharatiya Janata Party

(Central Office)
11, Ashok Road, New Delhi – 110001
Tel. No. : 23005700; **Fax :** 23005787

तारीखः 28 फरवरी, 2014

<u>भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य</u>

1. भाजपा कांग्रेस को चुनौती देती है कि उसके प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार श्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी का जो आर्थिक विजन पेश किया है उसकी आर्थिक रुपरेखा पर वह खुली बहस कर सकती है। कांग्रेस जो हमेशा उनके भाषण में मीन मेख निकालने के चक्कर में फंसी रहती है, उसने श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्पष्ट रुपरेखा बता देने के बाद चुप्पी साध ली है।

उन्होंने अर्थव्यवस्था में नई जान डालने के लिए अनेक विचार प्रस्तुत किए है। निवेश लाने के लिए विश्वास और स्थिर प्रशासन मुख्य मंत्र है। सुशासन के साथ जल्दी फैसले करना, नीतियों की घोषणाएं करने से ज्यादा नीतियों को अमल में लाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। विकास जन आंदोलन बन सकता है। बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक निवेश के जरिये रोजगार सृजन और कौशल। लोकतंत्र–जनसांख्यिकी–मांग का फायदा उठाना।

नई दिल्ली में कल दिए गए अपने तीन भाषणों में उन्होंने यूपीए सरकार की विफलताओं का मुद्दा रखा और हमारी अर्थव्यवस्था के पुनर्जीवन की दिशा बताई।

2. नौसेना में 10 महीने में 10 दुर्घटनाओं का होना बताता है कि हमारी नौसेना बुरी हालत में है। इस खराब हालत के लिए यूपीए सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है क्योंकि उसने लगातार हमारी रक्षा बलों के इस महत्वपूर्ण हथियार की उपेक्षा की है। नौसेना अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना अध्यक्ष इस मोर्चे पर हो रही दुखद घटनाओं से ''परेशान'' थे। जबकि वास्तव में इसकी जिम्मेदारी रक्षा मंत्री को लेनी चाहिए। देश की जनता प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से सवाल कर रही है कि जान–माल के नुकसान और देश का नाम बदनाम होने पर वे ''परेशान'' क्यों नहीं हैं। अतः रक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा दो बहादुर नौसैनिक अधिकारियों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करती है।

रक्षा संबंधी मामलों की स्थायी समिति ने बजट आबंटन और नौसेना के लिए उपकरणों की खरीद के समय अपनी विभिन्न रिपोर्टों में नौसेना की लापरवाही की तरफ इशारा किया था। अनेक पनडुब्बियां बहुत पुरानी हो चुकी हैं और खराब हालत में हैं क्योंकि उन्हें पच्चीस वर्ष से भी ज्यादा समय पहले खरीदा गया था। सरकार ने इस पुराने बेड़े के स्थान पर नई स्कोरपीन पनडुब्बी लाने का फैसला किया था। स्कोरपीन कार्यक्रम विफल हो गया और निर्धारित समय से पीछे चल रहा है। यहां तक कि नौसेना के पास अनेक अवसरों पर नियमित मरम्मत और रखरखाव के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं होती। हाल में हुई ''सिंधु रत्न'' दुर्घटना में मरम्मत करते समय पुरानी बैटरियों को नहीं बदला गया था क्योंकि ठेके में देरी हुई थी। इस कारण यह दुर्घटना हुई। सीएजी ने भी 2008–09 और 2010–11 में अपनी रिपोर्ट में इन कमियों को उजागर किया था।

(इंजी. अरुण कुमार जैन)
कार्यालय सचिव